an>

Title: Regarding development and promotion of non-conventional energy resources in entire Himalayan region.

डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक (हरिद्वार): आदरणीय अध्यक्षा जी, आज सम्पूर्ण देश गम्भीर ऊर्जा संकट से गुजर रहा है। देश की सभी महत्वकांक्षी योजनाएं चाहे स्किल इंडिया हो, मेक इन इंडिया हो, डिजिटल इंडिया हो, जिसके बारे में हमारे प्रधान मंत्री जी का बड़ा सपना है श्रेष्ठ और समृद्ध भारत का, वह सपना तब ही साकार हो पाएगा, जब हम ऊर्जा को पर्याप्त मात्रा में उत्पादित करेंगे। हिमालय का क्षेत्र असीमित ऊर्जा का केन्द्र है। मैं यह सोचता हूं कि जहां यह असीमित केन्द्र है, उसे चाहे पर्यावरण की दृष्टि से हो या देश की प्रगति की दृष्टि से हो, वहा की गैर परम्परागत ऊर्जा का दोहन किया जाए। पवन ऊर्जा, सौर ऊर्जा और लघु जल विद्युत परियोजनाओं के आधार पर इस बारे में एक व्यापक राष्ट्रीय नीति बनाई जाए। वहां के स्थानीय लोगों के माध्यम से यदि वह ऊर्जा उत्पादित होती है तो न केवल वहां से पलायन रुकेगा, बल्कि देश समृद्ध होगा। हमारा देश पूरी दुनिया में आर्थिक प्रगति की दृष्टि से आगे जाएगा। इसलिए मेरा विनम्र निवेदन है कि इसके लिए एक विस्तृत राष्ट्रीय नीति बनाई जाए और उत्तराखंड सहित पूरी हिमालयान बेल्ट में आने वाले राज्यों को उसका एक केन्द्र बनाया जाए, जो देश की प्रगति में एक मील का पत्थर साबित होगा।

माननीय अध्यक्ष : श्री वीरेन्द्र कश्यप, श्री निशिकांत दुबे, भैरों प्रसाद मिश्र, श्री केशव प्रसाद मार्य को डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।